भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 362 का उत्तर

मानवरहित रेल समपार (एलसी)

362. डॉ. डी. रवि कुमार:
डॉ. थोल तिरूमावलवन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु सहित देश में मानवरहित रेल समपारों की कुल संख्या का जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा सभी प्रचालनात्मक लाइनों पर मानवरहित रेल समपारों को समाप्त करने के लिए क्या समय-सीमा निर्धारित की गई है;

(ग) क्या सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए कोई समय-सीमा निर्धारित की है कि सभी परित्यक्त रेल समपारों पर लोगों/यात्रियों के लिए सुरक्षा होगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) सरकार ने उन प्रयोक्ताओं के क्या वैकल्पिक प्रावधान किए हैं जहां मानव रहित रेल समपारों को समाप्त कर दिया गया है; और

(ङ) विगत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान देश में रेल समपारों पर मारे गए लोगों की संख्या कितनी है और ऐसी दुर्घटनाओं को कम करने के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

मानवरहित रेल समपार (एलसी) के संबंध में दिनांक 24.07.2024 को लोक सभा में डॉ. डी. रवि कुमार और डॉ. थोल तिरूमावलवन के अतारांकित प्रश्न सं. 362 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): भारतीय रेल की बड़ी लाइन नेटवर्क की रनिंग लाइनों पर सभी बिना चौकीदार वाले रेल समपारों को 31.01.2019 तक समाप्त कर दिया गया है।

रेल समपारों को समाप्त करना भारतीय रेल की सतत और गतिशील प्रक्रिया है। इस तरह के कार्य रेलगाड़ी परिचालन में संरक्षा, रेलगाड़ियों की गतिशीलता और सड़क उपयोगकर्ताओं पर पड़ने वाले प्रभाव और व्यवहार्यता आदि के आधार पर किए जाते हैं।

रेल समपारों को या तो रेल समपारों के स्थान पर आरओबी/आरयूबी का निर्माण करके, या सीधे बंद करके (कम यातायात वाले रेल फाटकों के लिए) या साइट की स्थिति के आधार पर सड़क यातायात को निकटवर्ती आरओबी/आरयूबी/एलसी की ओर मोड़कर समाप्त किया जाता है।

वर्ष 2014-24 की अवधि के दौरान, कुल 11945 अदद ऊपरी सड़क पुलों/निचले सड़क पुलों का निर्माण किया गया, जबकि वर्ष 2004-14 की अवधि के दौरान भारतीय रेल पर केवल 4,148 अदद आरओबी/आरयूबी का निर्माण किया गया था।

पिछले तीन वर्षों के दौरान और चालू वर्ष में जून 2024 तक, भारतीय रेल नेटवर्क के मीटर लाइन और छोटी लाइन खंडों पर मौजूद बिना चौकीदार वाले रेल समपारों, जिन्हें खंडों के आमान परिवर्तन के दौरान समाप्त करने की योजना बनाई गई है, पर कोई परिणामी दुर्घटना नहीं हुई।

इसके अलावा, भारतीय रेल द्वारा देश में रेल फाटकों पर रेल दुर्घटनाओं को न्यूनतम करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए गए हैं:

s.k

- **जिन रेल समपारों पर रेल/सड़क वाहनों का अधिक आवागमन होता है, वहां संरक्षा बढ़ाने के लिए सिगनलों के साथ अंतर्पाशित किया जाता है।**
- **रेल समपारों पर विहसल बोर्ड, सड़क चेतावनी बोर्ड, स्पीड ब्रेकर आदि जैसी आधारभूत अवसंरचना की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समय-समय पर निरीक्षण अभियान शुरू किए जा रहे हैं।**
- **रेल समपारों पर सुरक्षित यात्रा के लिए सड़क उपयोगकर्ताओं में संरक्षा चेतना उत्पन्न करने हेतु जन जागरूकता अभियान/सेफ्टी स्लोगन संबंधी कार्यक्रम किए जाते हैं।**

*****

s.k